Marking scheme

sample paper 1

class- 11th MM-30

1. तीनताल 8×1=8
2. लय के तीन प्रकार है (विलंबित, मध्य, द्रुत)
3. अ) मंदिरों से
4. तोड़ा
5. ऑप्शन (द)
6. ऑप्शन (स)
7. उठते हुए बोलो के साथ नृत्य करते हुए मंच पर आना उठान कहलाता है सही उत्तर देने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे।
8. तराना निरर्थक शब्दों का एक समूह है जिसे संगीत के साथ पिरोकर प्रस्तुत किया जाता है सही उत्तर देने पर एक अंक दिए जाएंगे।
9. नृत्य मे घुँघरू को ही किंकनी कहा गया है का महत्व बताने एवं उनका किस प्रकार प्रयोग किया जाता है कितने प्रकार के घुँघरू होते है इन सबके बारे मे बताने पर 2 अंक दिए जाएंगे। 4×2=8

अथवा/or

रुपक का संक्षिप्त विवरण देने पर एक अंक एवं रुपक के बोल लिखने एवं कथक मे इसका उपयोग बताने पर एक अंक दिया जाएगा।

10. कथक के अंग तराना के बारे मे बताने पर एक अंक एवं भरतनाट्यम के अंग तिल्लना का परिचय देने पर एक अंक दिया जाएगा।

अथवा/or

नृत्यक के गुण बताने पर एक अंक एवं अवगुण बताने पर एक अंक दिया जाएगा।

11. महत्वपूर्ण पारिभाषिक शब्द

तोड़ा- तबले के बोल से निर्मित बंदिशतोड़ा कहलाती है तोड़े क बोल है तत तत थेई, तिगदादिगदिग थेई।

गतनिकास- निकास का अर्थ है निकल कर आने की क्रिया या भाव। तदनुसार गत

निकास मे नृत्यक पलटा लेकर किसी एक मुद्रा मे निकाल कर आता है और उसी मुद्रा मे ठाह व दोगुण लय मे क्रमश: आगे व पीछे चलन दिखाता है गत निकास कहलाता है। इसमे मुरली , मुकुट, घूँघट, गागर जैसा कोई भाव हो सकता है।

करण- हाथ पैर को मिलकर हलन चलन करने की क्रिया को करण कहते है। खड़े रहने की दशा और गति यानि चाल इन दो तत्वों से करण की रचना होती है। नाट्यशास्त्र मे करण की संख्या 108 बताई गई है।

ठेका- किसी भी ताल के तबले के मूल वर्णों को ठेका कहा जाता है। ठेके के बोल प्रत्येक ताल की ताली, खाली, विभाग आदि को ध्यान मे रखकर पूर्व निर्धारित होते है। ठेके के बोल से ही ताल की पहचान होती है।

नोट- सभी आधा आधा अंक के है सही उत्तर देने पर आधा आधा अंक सभी मे दिया जाएगा।

अथवा/or

भरतनाट्यम की वेशभूषा बताने पर एक अंक दिया एवं भरतनाट्यम नृत्य मे प्रयुक्त होने वाले वाद्य यंत्रों के नाम बताने पर एक अंक दिया जाएगा।

12. नृत्य का विस्तृत परिचय देने एवं नृत्य किस प्रकार हमरे शरीर को स्वस्थ रखता है के बारे मे बताने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे।

अथवा/or

महाभारत मे नृत्य का उपयोग कहा हुआ नृत्य का इस कथानक मे क्या महत्व रहा है इस बारे मे बताने पर 2 अंक दिए जाएंगे।

13. ड्रामा का नृत्य से संबंध बताने बताने पर एक अंक एवं साहित्य का नृत्य मे किस प्रकार योगदान है बताने पर दो अंक दिए जाएंगे। 3×3=9

अथवा/or

रुपक 7 मात्राओ की ताल है। ताल का परिचय देने पर एक अंक दिया जाएगा एवं उसकी एकगुण दोगुण चौगुण लिखने पर दो अंक दिए जाएंगे।

14. एकताल 12 मात्राओ की ताल है एकताल का परिचय देने पर एक अंक दिया जाएगा एवं तोड़ा लिपिबद्ध करने पर दो अंक दिए जाएंगे

अथवा/or

कथक के लखनऊ घरने का परिचय देने पर दो अंक दिए जाएंगे एवं गुरुओ के नाम एवं वेशभूषा बताने पर एक अंक दिया जाएगा।

15. ठुमरी कथक का एक विशेष अंग है का परिचय देने पर एक अंक दिया जाएगा ठुमरी की उत्पति एवं विकास के बारे मे बताने पर दो अंक दिए जाएंगे।

अथवा/or

साहित्य का नृत्य मे उपयोग बताने पर एवं विस्तृत विवरण देने पर पूर्ण अंक दिए जाएंगे।

16. कथक का परिचय देने पर एक अंक दिया जाएगा उसके क्रम को बताने पर 4 अंक दिए जाएंगे। क्रम इस प्रकार है उठान, स्तुति, थाट, आमद, टुकड़ा, तोड़ा, तिहाई, परन, चक्रदर परन, कवित, गतभाव, गतनिकास, ठुमरी इत्यादि। 1×5=5

अथवा/or

तीनताल 16 मात्राओ की ताल है। ताल का परिचय देने पर एक अंक दिया जाएगा एवं कवित को लिपिबद्ध करने पर दो अंक दिए जाएंगे एवं टुकड़ा लिपिबद्ध करने पर दो अंक दिए जाएंगे।